

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उरेडा,  
देहरादून।

ऊर्जा विभाग:

देहरादून : दिनांक : ०२/१२ नवम्बर, २००८

विषय:- ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु जनसहभागिता के आधार पर निर्मित की जाने वाली लघु जल विद्युत परियोजनाओं का आवंटन उरेडा को किए जाने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषय अपने पत्र सं०-७४१/उरेडा-०४(१)-१३५/ग्रा०स०/२००८, दिनांक १५-०७-२००८ का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निम्नलिखित जल विद्युत परियोजनाओं का विकास जन सहभागिता के आधार पर ऊर्जा समितियों के माध्यम से कराये जाने हेतु उरेडा को आवंटित किए जाने की अनुमति प्रदान की जाती है :—

क्र०	परियोजना का नाम	जनपद	विद्युतीकरण हेतु प्रस्तावित ग्राम/तोक	प्रस्तावित क्षमता (Kw)
१	गंगी	टिहरी	राजस्व ग्राम गंगी, ऋचक तथा तोक देवखरी, लेनी एवं नलान गांव	200
२	कोटीझाला	टिहरी	राजस्व ग्राम— कोटीझाला, तितरोना, निवाल गांव, मरवाड़ी, मेड़ तथा तोक घन्डीयाल सौड	250
३	पिनस्वाड़	टिहरी	पिनस्वाड़, ओरानी	50

भवदीय,

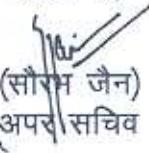
/  
(शत्रुघ्न सिंह)  
सचिव

संख्या : ११८ / १/२००८-०३(०८)/३७/२००८, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

१. सचिव, अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, भारत सरकार, ब्लॉक नं०-१४, सी०जी०ओ० काम्पलेक्स, लोधी रोड़, नई दिल्ली।
२. प्रबन्ध निदेशक, उ०पा०का०लि०/उ०ज०वि०नि०लि०/पिटकुल, देहरादून।
३. प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
४. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(सौरभ जैन)  
अपर्याप्त सचिव  
३८